नूह को झाज

ARK OF NOAH

Merwari

नूह को झाज

ARK OF NOAH

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language (Red Level Book-3)

प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें नुह के झाज और सबसे पेहले जल प्रलय के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

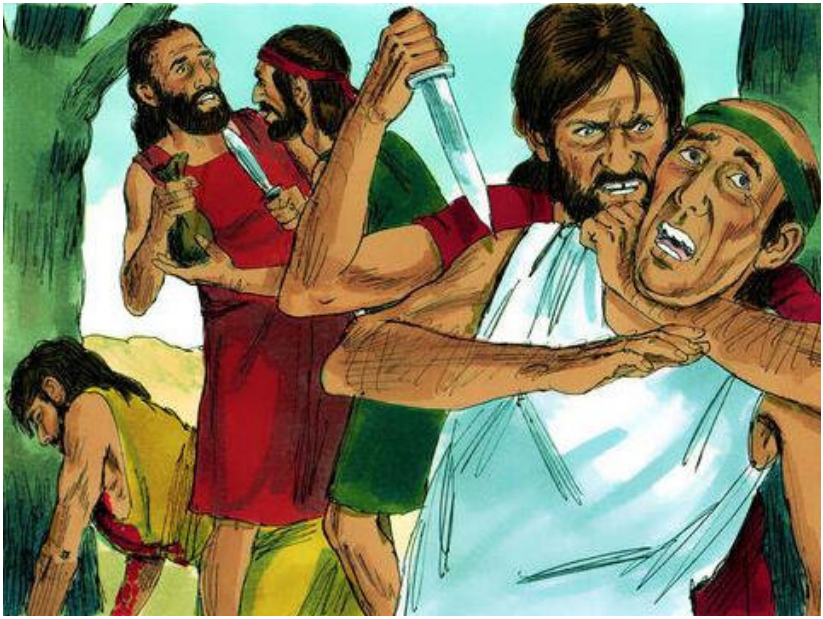

परमेसर जद़ धरती परँ देच्यो। तो देच्यो, के धरति परँ पाप नरोई बडज्यो हे। तो परमेसर जगत को नास करबा की होच्यो।

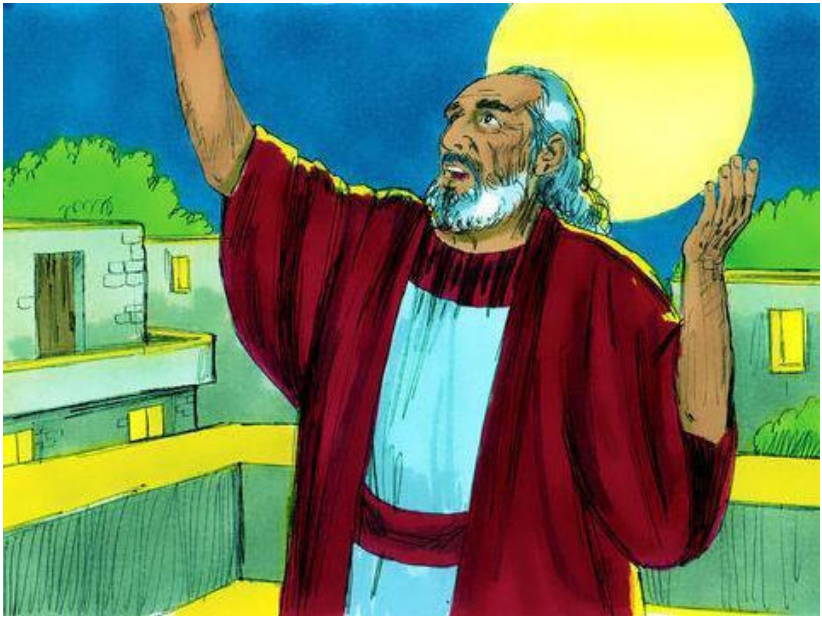

बि बगत नुह नाऊँ को एक भगत मनक हो। नुह हमेसा हि परमेसर क लारे-लारे चालो हो।

एक दन परमेसर नुह न कियो।

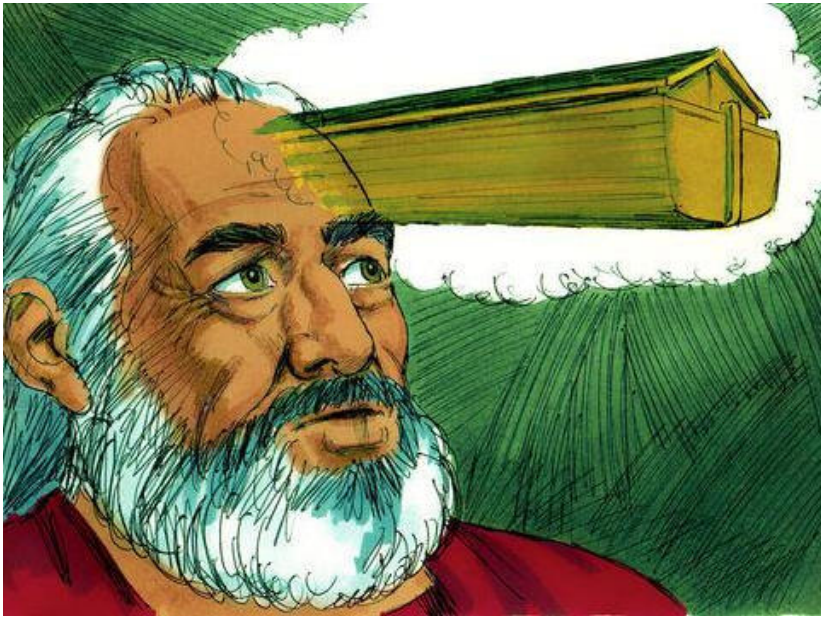

मूँ हगळा जीवँ को नास करबा म हूँ।

ऐर तु गोपेर कि लकड़ि को एक झाज बणा।

ऐर तु थारा घरकँ न थारी लेर झाज म लें लीज्ये।

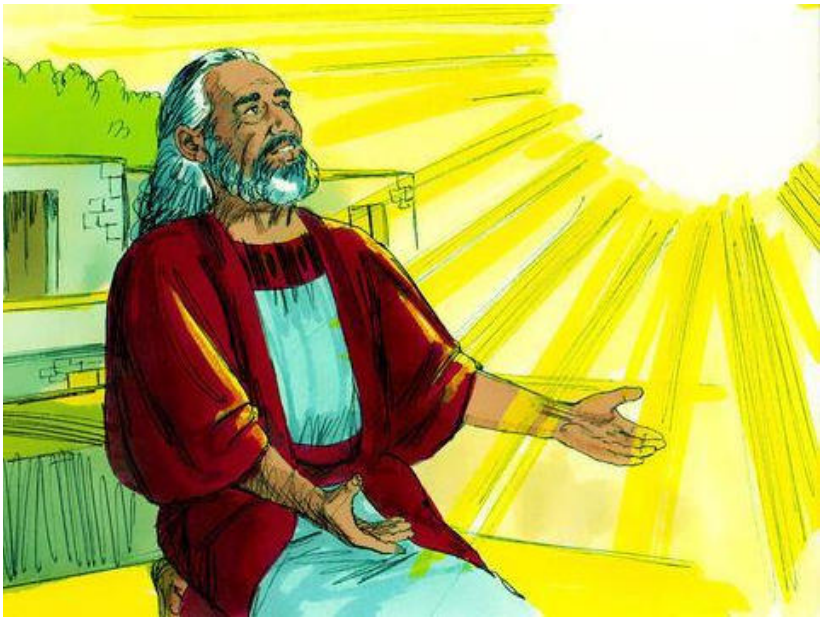

ऐर हगळा जीव जनावरँ को एक-एक जोड़ो बी बिमअ ले लीज्ये। च्युँकि मूँ धरति परँ जल परल्य करअर।

हगळा जिवँ को नास करबा म हूँ।

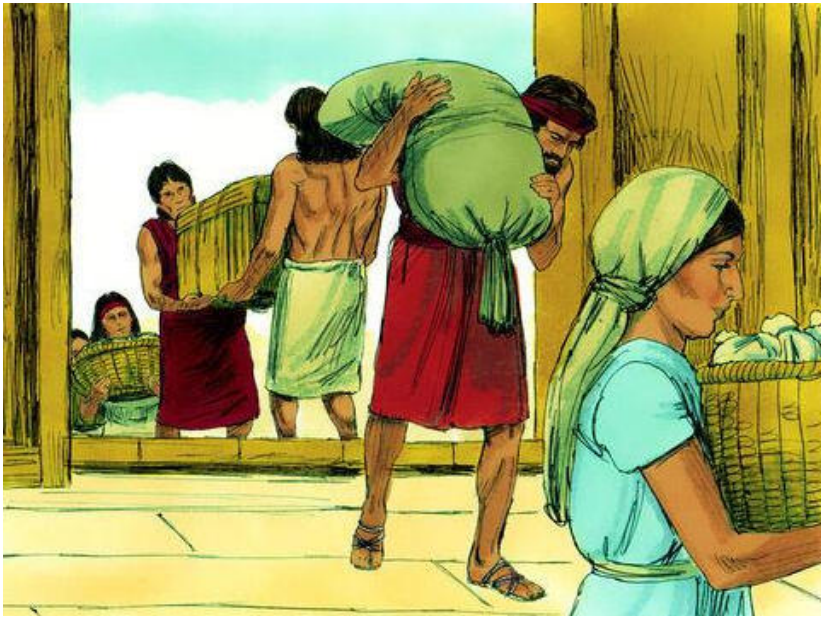

पचँ परमेसर ज्यान कियो नुह
ब्यान ई कर्यो।
नुह गोपेर कि लकडी को एक
झाज बणायो।
ऐर नुह खुदका घरकँ न बी
झाज म लेज्यो।

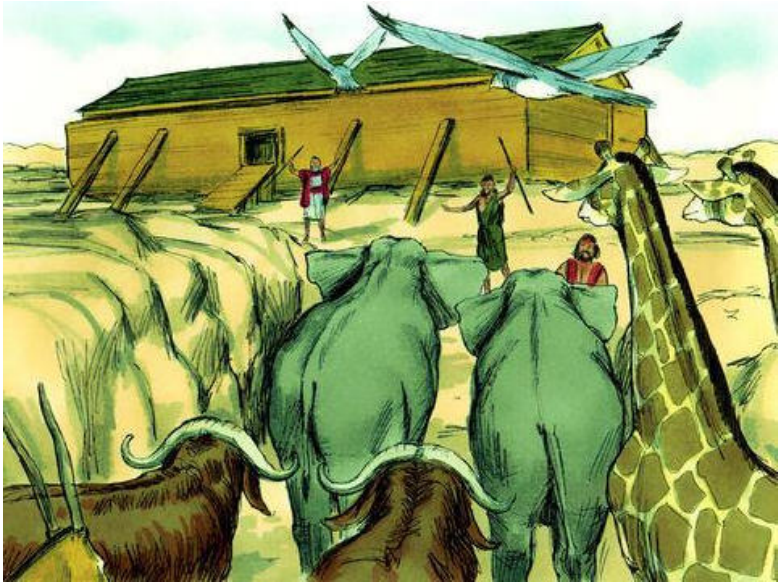

नुह हगळी जात का जीवँ न बि
झाज म लेज्यो।
ऐर परमेसर झाज का कुआँड़ँ
बन्द कर काड़्यो।
फेर धरती परँ चाळीस दनँ ती,
दन-रात मेह बरसायो।

बिऊँ धरति परँ पाणी अतरो हेज्यो क, हगळा डुंगर बि डूबज्या।
जतरा बि जीव धरती परँ हा, हारा मरज्या। पण नुह ऐर जतरा बी बि झाज म हा बे बचज्या।

ऐर पाणी धरती परँ ऊँ थोड़ाक
दनँ पच घटबा लागज्यो।
ऐर झाज एक डुंगर परँ टक ज्यो।
नुह झाज कि खड़की खौलअर
एक कबुतरी न उडायो।

अंदार पड़यँ कबुतरी चूँच म
जेतुन को नुओ पत्तो ल्यई।
तो नूह न ठाणौ पड्यो क पाणी
धरती परँ ऊँ कम हेज्यो हे। तो
परमेसर नुह न कियो,

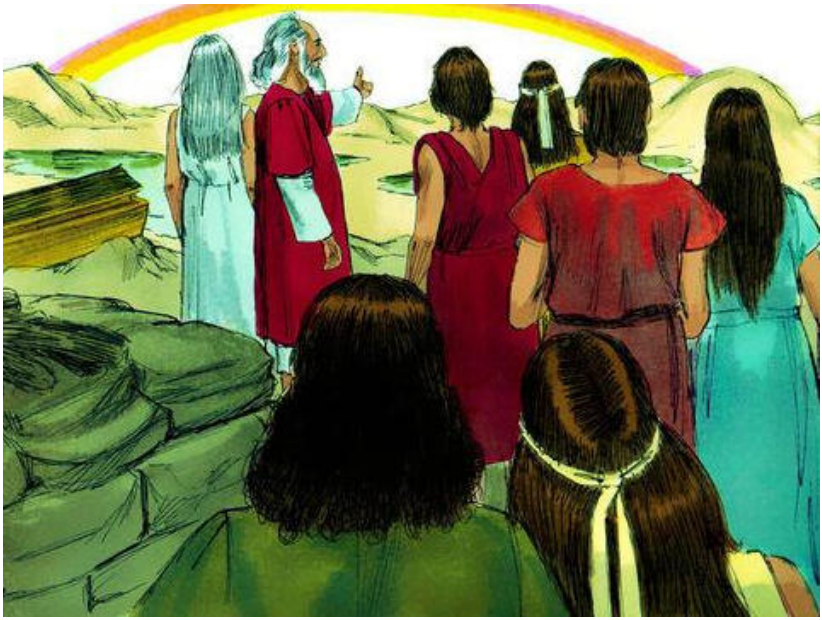

हगळँ न झाज मुँ बारनअ लिया।
तो नुह हगळा न बारनअ लियायो।
परमेसर कियो के ज्यान मूँ हगळा
जीवँ न मार काड़यो हूँ, ब्यान फेर
नि माँरू।
पच परमेसर हगळा न आसिस
दियो।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®